महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट जिला- सतना (म0प्र0)

हिन्दी विभाग

एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

अध्ययन मण्डल कार्यवृत्त

कला संकाय के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा संचालित किये जाने वाले एम.ए.हिन्दी पाठ्यक्रम के अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 18.08.2017 को अधिष्ठाता कक्ष में सम्पन्न हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थिति रहे।

1. डॉ.वाई.के.सिंह — अधिष्ठाता, कला संकाय
2. डॉ.कुसुम सिंह — प्रभारी विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
3. प्रो.त्रिभुवन नाथ शुक्ल — वाह्य विशेषज्ञ, विभागाध्यक्ष, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (मध्यप्रदेश)
4. डॉ.राममूर्ति — एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी) हिन्दी विभाग
5. डॉ.ललित कुमार सिंह — एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी) हिन्दी विभाग

अध्ययन मण्डल की बैठक में चलाये जाने वाले एम.ए.(हिन्दी) पाठ्यक्रम पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। विचार-विमर्श के पश्चात् निम्नानुसार निर्णय लिये गये।

1. पाठ्यक्रम सेमेस्टर एवं क्रेडिट प्रणाली के आधार पर तैयार किया गया है। इसे सेमेस्टर एवं क्रेडिट प्रणाली के आधार पर चलाने की अनुशंसा की जाती है।
2. पाठ्यक्रम की अवधि चार सेमेस्टर की होगी।
3. पाठ्यक्रम में कुल 16 प्रश्न-पत्र के साथ तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में एक वैकल्पिक प्रश्न-पत्र होगा अथवा चतुर्थ सेमेस्टर में लघु शोध प्रबन्ध होगा, जिनके चारों सेमेस्टर की कुल क्रेडिट 72 होगी।
4. विश्वविद्यालय स्तर पर 'मूल एवं सामाजिक उत्तरदायित्व' अनिवार्य पाठ्यक्रम है। यह इस पाठ्यक्रम में भी लागू होगा और स्नातकोत्तर स्तर पर जो क्रेडिट एवं परीक्षा प्रणाली निर्धारित है वही इस पाठ्यक्रम में भी लागू होगी।
5. विभाग द्वारा प्रस्तुत अंक विभाजन, क्रेडिट एवं पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया।
6. पाठ्यक्रम सत्र 2017-18 से प्रभावी होगा।
7. पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार आंशिक संशोधन कुलपति के अनुमोदन से किया जा सकेगा।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

नियमावली

1. पाठ्यक्रम का नाम ➢ एम.ए.हिन्दी
2. छात्र संख्या ➢ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित
3. पाठ्यक्रम की अवधि ➢ 4 सेमेस्टर
4. पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता ➢ स्नातक
5. आयु सीमा ➢ विश्वविद्यालय नियमानुसार
6. प्रवेश ➢ विश्वविद्यालय के नियमानुसार
7. शिक्षण प्रणाली ➢ क्रेडिट पद्धति आधारित सेमेस्टर प्रणाली
8. परीक्षा एवं मूल्यांकन ➢ आंतरिक 20 + बाह्य 80
9. शुल्क ➢ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क
10. विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर परिवर्तित नियम उक्त पाठ्यक्रम में भी लागू होंगे।
11. 'मूल्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व' पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट जो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जायेगा वही इस पाठ्यक्रम पर भी लागू होगा।

पाठ्यक्रम संरचना

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पूर्णांक		क्रेडिट
			आंतरिक	बाह्य	
प्रथम	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-I	100	20	80	4+0
द्वितीय	आधुनिक काव्य-I	100	20	80	4+0
तृतीय	आधुनिक गद्य साहित्य-I	100	20	80	4+0
चतुर्थ	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-I	100	20	80	4+0
	कुल योग	400	-	-	16+0

10/8/17 10/8/17

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पूर्णांक		क्रेडिट
			आंतरिक	बाह्य	
प्रथम	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य II	100	20	80	4+0
द्वितीय	आधुनिक काव्य II	100	20	80	4+0
तृतीय	आधुनिक गद्य साहित्य II	100	20	80	4+0
चतुर्थ	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा II	100	20	80	4+0
	[illegible] (मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व)	100			
.	कुल योग	400	-	-	16+0

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पूर्णांक		क्रेडिट
			आंतरिक	बाह्य	
प्रथम	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन।	100	20	80	4+0
द्वितीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास।	100	20	80	4+0
तृतीय	प्रयोजनमूलक हिन्दी।	100	20	80	4+0
चतुर्थ	भारतीय साहित्य।	100	20	80	4+0
विशेष अध्ययन	वैकल्पिक प्रश्नपत्र (कोई एक) (क) भक्तिकाल। (ख) छायावाद। (ग) पत्रकारिता प्रशिक्षण।	100	20	80	4+0
	कुल योग	400	-	-	20+0

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पूर्णांक		क्रेडिट
			आंतरिक	बाह्य	
प्रथम	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन-II	100	20	80	4+0
द्वितीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास-II	100	20	80	4+0
तृतीय	प्रयोजनमूलक हिन्दी-II	100	20	80	4+0
चतुर्थ	भारतीय साहित्य-II	100	20	80	4+0
विशेष अध्ययन	वैकल्पिक प्रश्नपत्र (कोई एक) (क) भक्तिकाल-II (ख) छायावाद-II (ग) पत्रकारिता प्रशिक्षण-II	100	20	80	4+0
	अथवा लघु शोध प्रबन्ध (प्रस्तुतीकरण)	100	-	100	4+0
	लघु शोध प्रबन्ध मौखिकी	100	-	100	0+4
	कुल योग	400	-	-	20+4
				कुल क्रेडिट	76

18/8/17

18/8/17

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न प्रश्नपत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-I

प्रस्तावना :

हिन्दी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के अवदान को पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबन्ध, कड़वकबद्ध, मुक्तक आदि काव्यरूपों में रचित और अपभ्रंश, अवहट्ट एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। उत्तरमध्यकालीन (रीतिकाल) काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और तत्कालीन युग को समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

पाठ्यविषय :

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 03 कवियों का अध्ययन किया जाएगा -

इकाई 1 विद्यापति - विद्यापति पदावली, संपादक-रामवृक्ष बेनीपुरी (निर्धारित 25 पद)
1, 3, 4, 5, 11, 12, 18, 23, 25, 29, 32, 34, 49, 51, 53, 54, 59, 72, 110, 121, 127, 178, 197, 220, 222

इकाई 2 कबीर - कबीर ग्रंथावली, संपादक - डॉ.श्यामसुन्दर दास (निर्धारित 60 साखियाँ तथा 25 पद), गुरूदेव की अंग - 1-7, 12-14, 19, 20
सुमिरण की अंग - 1-10, विरह की अंग - 1-3, 11-20
परचा की अंग - 1-12, रस की अंग - 1-4
निहकर्मी पतिव्रता की अंग - 1-9, मन की अंग - 1-5
माया की अंग - 4, 5, 7, 15, 20
पद - 1, 2, 3, 11, 16, 43, 64, 70, 71, 84, 87, 92, 98, 99, 100, 111, 114, 138, 180, 182, 206, 207, 213, 218, 225

इकाई 3 जायसी - पद्मावत, संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नखशिख वर्णन, नागमती विरह वर्णना

इकाई 4 **समीक्षात्मक अध्ययन**

इकाई 5 द्रुत पाठ - निम्नांकित कवियों पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे- सरहपाद, अमीर खुसरो, चन्दबरदाई

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

❑ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

1. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. विद्यापति : डॉ. आनन्दप्रकाश दीक्षित
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर सं. विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. जायसी ग्रन्थावली - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. जायसी रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विद्यापति, प्रो० त्रिभुवननाथ शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य-I

प्रस्तावना :

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्जागरण के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक परिप्रेक्ष्य लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विज्ञानचेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हैं। यह उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएं, भावनाएं एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। विविध धाराओं में प्रवहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है। अतः संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यन्त आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

पाठ्यविषय :

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित-

इकाई-1	मैथिलीशरण गुप्त	- साकेत (नवम सर्ग)।
इकाई-2	जयशंकर प्रसाद	- कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा सर्ग)
इकाई-3	सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"	- राम की शक्तिपूजा, तुलसीदास (प्रारंभ के 10 छन्द), संध्या सुंदरी, भिक्षुक
इकाई-4	समीक्षात्मक अध्ययन	- द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य-प्रवृत्तियाँ
इकाई-5	द्रुत पाठ	- निम्नलिखित कवियों पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे- श्रीधर पाठक, महादेवी, केदारनाथ अग्रवाल

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न इकाई-5 द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ-

1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ.नागेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. कामायनी एक पुनर्विचार-गजानन माधव मुक्तिबोध
3. कामायनी का नया अन्वेषण-डॉ.रामगोपाल शर्मा 'दिनेश', चिन्मयप्रकाशन, जयपुर
4. निराला की साहित्य साधना भाग 2-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. कामायनी का भाषीय औदात्य, डॉ० सुरुचि मिश्रा, विकास प्रकाशन कानपुर

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य-।

प्रस्तावना :

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव-मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्त होता है, वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबन्ध गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास-प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यविषय :

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित -

इकाई-1 चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद

इकाई-2 ~~आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश~~ उत्तिष्ठ भारत - प्रो० त्रिभुवननाथ शुक्ल

इकाई-3 गोदान - प्रेमचन्द्र

इकाई-4 मैला ऑचल - फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-5 द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित चयनित रचनाकारों और विधाओं से संबंधित लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे -

- नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ.रामकुमार वर्मा
- उपन्यासकार : जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर।

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10x 1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न इकाई-5 द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन-डॉ.जगन्नाथ दास रत्नाकर, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
2. प्रसाद, नाट्य और रंगशिल्प-गोविन्द चातक, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3. समकालीन नाट्य साहित्य और मोहन राकेश के नाटक-सुषमा अग्रवाल, अनुपम प्रकाशन जयपुर
4. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
5. प्रेमचन्द्र व्यक्तित्व और कृतित्व-शचीरानी गुर्टू, इण्डिया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. गोदान के अध्ययन की समस्यायें - गोपाल राय, ग्रंथ निकेतन, पटना
7. प्रेमचन्द्र : एक विवेचन-सुरेश सिन्हा, रीगल बुक डिपो, दिल्ली

18/8/17

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-1

प्रस्तावना :

साहित्य अध्ययन एक व्यापक विधिवत् है। साहित्य के समग्र अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुगम्य संवैधानिक ज्ञान अपेक्षित है। भाषा विज्ञान की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतर्संबंधों के विश्लेषण को अपेक्षित रूप न केवल अध्येता को व्यापक अन्तर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक चिंतन के लिए एक निश्चित मार्ग भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आधारित द्वितीयक सांकेतिक व्यवस्था की साहित्य प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं आधुनिक पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से स्वीकृत है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में प्रयुक्त ध्वनियाँ विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्यविषय :

इकाई-1	भाषा और भाषाविज्ञान	भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
इकाई-2	स्वनविज्ञान	स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
इकाई-3	व्याकरण	रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव, गहन संरचना और बाह्य संरचना।
इकाई-4	अर्थविज्ञान	अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन।
इकाई-5	साहित्य और भाषा विज्ञान	साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4X15=60 अंक

2 लघूत्तरी प्रश्न 2X5=10 अंक

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10X1=10 अंक

9 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान की भूमिका देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी भाषा डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
5. हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण प्रो. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी भाषा का इतिहास डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी
7. हिन्दी भाषा डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न प्रश्नपत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-।।

पाठ्यविषय :

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 3 कवियों का अध्ययन किया जाएगा -

इकाई-1	(क) सूरदास -	भ्रमरगीत सार संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (निर्धारित 50 पद) पद संख्या - 7, 18, 23, 24, 25, 34, 38 39, 42, 44, 52, 62, 64, 75, 76, 77, 82, 85, 89, 90, 91, 92, 95, 99, 100, 101, 104, 105, 106, 109, 121, 129, 130, 131, 138, 140, 141, 153, 157, 158, 171, 172, 175, 201, 205, 206, 210, 213, 214, 221
इकाई-2	(ख)तुलसीदास-	रामचरितमानस (गीता प्रेस)-बालकाण्ड (प्रारम्भ के 50 दोहे चौपाइयाँ)
इकाई-3	बिहारीलाल -	बिहारी रत्नाकर संपादक-जगन्नाथदास रत्नाकर (निर्धारित 60 छंद) 1, 5, 7, 13, 20, 28, 32, 37, 38, 41, 42, 45, 46, 52, 55, 57, 60, 61, 62, 68, 69, 70, 73, 85, 91, 94, 101, 103, 104, 121, 128, 131, 141, 151, 161, 171, 173, 178, 181, 191, 192, 201, 207, 217, 228, 237, 251, 255, 265, 283, 295, 300, 301, 304, 307, 311, 317, 321, 327, 328
इकाई-4	**समीक्षात्मक अध्ययन**	
इकाई-5	द्रुत पाठ -	निम्नांकित कवियों पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे- रैदास, केशव, भूषण।

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x 15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x 1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

1. सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूरदास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. तुलसी - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. तुलसी-संदर्भ और समीक्षा-सं. डॉ.त्रिभुवन सिंह, काशी हिन्दू, वि.वि., वाराणसी
5. गोस्वामी तुलसीदास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. बिहारी - पं. विश्वनाथ मिश्र, वाणी विज्ञान, वाराणसी
7. बिहारी का नया मूल्यांकन-बच्चन सिंह, हिन्दी प्रचाकर संस्थान, वाराणसी

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य-II

पाठ्यविषय :

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित-

इकाई-1	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	- नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी
इकाई-2	गजानन माधव मुक्तिबोध	- अँधेरे में
इकाई-3	नागार्जुन	- प्रतिबद्ध हूँ, कल्पना के पुत्र, हे भगवान, सिन्दूर तिलकितभाल, उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य, अग्निबीज।
इकाई-4	- **समीक्षात्मक अध्ययन**	- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ
इकाई-5	द्रुत पाठ	- निम्नलिखित कवियों पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे- शमशेर बहादुर सिंह, दुष्यन्त कुमार, धूमिल

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न इकाई-5 द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ-

1. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन - चन्द्रकान्त बांदिवडेकर, सरस्वती प्रेस, दिल्ली
2. अज्ञेय - डॉ.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. गजानन माधव मुक्तिबोध का रचना संसार-सं. गंगाप्रसाद विमल, सुषमा पुस्तकालय, दिल्ली
4. मुक्तिबोध का काव्य चेतना और मूल्य संकल्प-डॉ. हुकुमचन्द, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
5. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता-डॉ.लल्लन राय, मंथन प्रकाशन

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य साहित्य-II

पाठ्यविषय :

अध्ययन एवं शिक्षण के लिए निर्धारित :

इकाई-1 निबंध संकलन : निम्नलिखित 7 निबंधकारों के एक निबंध का अध्ययन
(क) बालमुकुन्द गुप्त : [illegible]
(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : कविता क्या है
(ग) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढ़ते हैं
(घ) रामवृक्ष बेनीपुरी : [illegible]
(ङ) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : [illegible]
(च) विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
(छ) [illegible] : [illegible]

इकाई-2 कहानी संकलन : निम्नलिखित 7 कहानीकारों की एक कहानी का अध्ययन
(क) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : उसने कहा था
(ख) जयशंकर प्रसाद : आकाशदीप
(ग) प्रेमचन्द : कफ़न
(घ) जैनेन्द्र : पाजेब
(ङ) निर्मल वर्मा : [illegible]
(च) ऊषा प्रियंवदा : वापसी
(छ) [illegible] : [illegible]
(ज) कमलेश्वर : राजा निरबंसिया

इकाई-3 [illegible] : [illegible]

इकाई-4 [illegible]
(क) [illegible]
(ख) राहुल सांकृत्यायन : घुमक्कड़ शास्त्र

इकाई-5 द्रुत पाठ हेतु निम्नलिखित [illegible] रचनाकारों और विधाओं से संबंधित 1-1 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे :
- निबंधकार : बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह
- कहानीकार : शिवप्रसाद सिंह, [illegible]

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2x 15	30 अंक
2 लघुत्तरी प्रश्न	2 x5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न	10x 1	10 अंक

वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघुत्तरी प्रश्न द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. [illegible] : [illegible] त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी [illegible], [illegible] भवन, चण्डीगढ़
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
4. नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली

12/12/17

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-II

पाठ्यविषय :

इकाई-1	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंशऔर उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
इकाई-2	हिन्दी का भौगोलिक विस्तार	हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
इकाई-3	हिन्दी का भाषिक स्वरूप	हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था-खंड्य खंड्येतरा हिन्दी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना-लिंग, वचन और कारक- व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिन्दी वाक्य रचना : पदक्रम और अन्विति।
इकाई-4	हिन्दी के विविध रूप	संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम-भाषा, संचार-भाषा, हिन्दी की संविधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि विशेषताएँ और मानकीकरण।
इकाई-5	हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ	आँकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी- शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा-शिक्षण।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4X15=60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न 2X5=10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10X1=10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी-सुनीति कुमार चटर्जी
2. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषायें-डॉ.हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
3. हिन्दी का उद्भव एवं विकास-डॉ.हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
4. आधुनिक भाषा विज्ञान-डॉ.राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी भाषा की संरचना-डॉ.भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा शास्त्र की रूपरेखा - भोला शंकर व्यास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. कोषविज्ञान : प्रविधि एवं प्रणाली-प्रो.त्रिभुवननाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. 'अवधी का स्वनिमिक अध्ययन-प्रो.त्रिभुवननाथ शुक्ल, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन-I

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्य शास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है। यह दृष्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जाँचने परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 काव्य-लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
रस-सिद्धांत:रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
अलंकार-सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई 2 रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई 3 वक्रोक्ति-सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

इकाई 4 ध्वनि-सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।
औचित्य-सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई 5 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ :

शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4X15=60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न 2X5=10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10X1=10 अंक

□ *वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ.नगेन्द्र - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. काव्यरूप-गुलाबराय, सूर्यप्रकाश प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. समीक्षा के सिद्धांत - सं. निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. रस सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. रस मीमांसा-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, विद्यामन्दिर, काशी

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास-I

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोभूमि, दशा एवं चिंतन के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि में भी बदलाव आ जाता है। इस बदलती हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है। जिसकी गूँज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विभिन्न आयों प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्यविषय :

इकाई-1 इतिहास - दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।

इकाई-2 हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ-साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य, हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

इकाई-3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवं भक्ति-आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।

इकाई-4 भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व, राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तीतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य। भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई-5 उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियां और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं। रीतिकालीन गद्य साहित्य।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 x15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10x 1	10 अंक

❑ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अत्तरचन्द कपूरचन्द एण्ड कं.,दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां - शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां-डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां-डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ.बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ.मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी-।

प्रस्तावना :

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं-सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है और कार्यपरक होकर भी जो समाज-सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनमूलक हिन्दी का अध्ययन अति अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्या हल होगी अपितु राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्यविषय :

खण्ड क : कामकाजी हिन्दी

इकाई-1 हिन्दी के विभिन्न रूप - सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पारिभाषिक शब्दावली-स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्दावली)

इकाई-2 कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय,

इकाई-3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र, वेब पब्लिशिंग, लिंक, ब्राउज़िंग, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज।

खण्ड ख : पत्रकारिता

इकाई-4 पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, सम्पादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्री एवं शीर्षक सम्पादन।

इकाई-5 संपादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबन्धन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

अंक विभाजन:

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4x 15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

□ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ.विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. राजभाषा सहायिका : अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ.कृष्ण बिहारी मिश्र - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत एवं प्रयोग-डॉ.दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य-डॉ.राजकिशोर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी-डॉ.रामकिशोर शर्मा, डॉ.शिवमूर्ति शर्मा, श्यामा प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिन्दी कंप्यूटिंग, प्रो० सिद्धेश्वरनाथ शुक्ल, विकास प्रकाशन, कानपुर

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य-1

प्रस्तावना :

भारतीय भाषाओं में हिन्दी भाषा और साहित्य का महत्व अन्य प्रान्तीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिन्दी साहित्याध्ययन को अतिरिक्त गंभीर तथा व्यापक बनाना अत्यन्त आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा के लिए हिन्दी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिन्दी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। जब तक उनके ज्ञान-क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा नहीं तभी, इसलिए हिन्दी-अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा। इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड में एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

पाठ्यविषय :

प्रथम खण्ड

इकाई-1 (क) भारतीय साहित्य का स्वरूप
(ख) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई-2 (क) भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब
(ख) हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खण्ड

इकाई-3 इसके अन्तर्गत हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है-

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग - मलयालम, तमिल, तेलगू, कन्नड़।
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग - उड़िया, बंगला, असमिया, मणिपुरी।
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग - मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

निर्देश : उपर्युक्त 03 भाषा वर्गों में से पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग - मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू अध्ययन के लिए निर्धारित किया गया है। उर्दू भाषा की अध्ययन के लिये निर्दिष्ट किया गया है। उर्दू साहित्य के इतिहास का अध्ययन किया जायेगा।

इकाई-4 निर्दिष्ट भाषा के प्रेमचन्द, किशन चन्दर एवं कुर्रतुल ऐन हैदर तीन रचनाकारों का अध्ययन किया जायेगा।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 x 15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	30 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x 1	10 अंक

Q वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएं एवं साहित्य - राजमल बोरा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - राजमल बोरा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. उर्दू साहित्य की परम्परा - जानकी प्रसाद शर्मा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो.एहतेशाम हुसैन - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उर्दू साहित्य का देवनागरी में लिप्यंतरण-वागीश शुक्ल-वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. उर्दू साहित्य का इतिहास-डॉ.एजाजहुसैन मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय 'सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रथमपत्र : भक्तिकाल-I

पाठ्यविषय :

भक्तिकाल की समय सीमा, काल विभाजन, नामकरण, निर्गुण, सगुण, काव्यधाराएँ, ज्ञानमार्गी, प्रेममार्गी (सूफी), कृष्णभक्ति एवं रामभक्ति शाखाएँ, भक्तों की परम्परा, मध्यकालीन काव्यधाराओं की सामान्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का व्यक्तित्व एवं साहित्यिक, सामाजिक सांस्कृतिक अवदान। साहित्यिक धाराओं का वैशिष्ट्य। योगमार्ग और संत-भक्त कवि, भक्तिकाल साहित्य की प्रवृत्तियाँ। विशिष्ट साहित्यकार तथा उनकी उपलब्धियाँ। भक्तिकालीन गद्य व्याख्या एवं आलोचना हेतु निम्नलिखित में से किन्हीं तीन कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

इकाई 1

कबीर : संत काव्य (संग्रह) : संपा, परशुराम चतुर्वेदी, संत कबीर साहब प्रारम्भ के 45 पद।

इकाई 2

रैदास : संत काव्य (संग्रह) : संपा, परशुराम चतुर्वेदी, कोई 14 पद।

इकाई 3

मुल्ला दाउद : चन्दायन (प्रारम्भ के 25 छंद)

इकाई 4

समीक्षात्मक अध्ययन : भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ '

इकाई 5

द्रुतपाठ : निम्नलिखित कवियों में से तीन का अध्ययन अपेक्षित है-
गुरुनानक देव, दादू, रज्जब, सुन्दरदास, सहजोबाई

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

18/8/17 18/8/17

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रथमपत्र : छायावाद-।

पाठ्यविषय :

निम्नलिखित कवियों से सम्बन्धित व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे-

इकाई 1

प्रसाद : लहर : शेरसिंह का शास्त्र समर्पण, पेशोला की प्रतिध्वनि, प्रलय की छाया.

इकाई 2

निराला : अपरा : बादलराग, जूही की कली, जागो फिर एक बार-1, 2, संध्या सुन्दरी, प्रभाती, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक, विधवा, सरोजस्मृति।

इकाई 3

पंत : चिदम्बरा (कोई 10 कविताएँ)

इकाई 4

समीक्षात्मक अध्ययन :

इकाई 5

द्रुतपाठ : निम्नलिखित कवियों में से तीन का अध्ययन अपेक्षित है-
मुकुटधर पाण्डेय, मोहनलाल महतो वियोगी, हरिकृष्ण प्रेमी, जनार्दन झा द्विज, इलाचन्द्र जोशी

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

18/8/17

10/8/17

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रथमपत्र : पत्रकारिता प्रशिक्षण

पत्रकारिता आज जीवन-समाज की धड़कन बन गई है। सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं के समान काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्यिकता के साथ-साथ रोजगारपरकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व, नारी तथा दलित जागरण में इनकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्यविषय :

इकाई 1

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरम्भ

इकाई 2

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई 3

समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व-समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत-शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार-पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया

इकाई 4

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता

इकाई 5

समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।

अंक विभाजन :

'3 आलोचनात्मक प्रश्न 3x15=45 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न 2x5=10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10x1=10 अंक
पत्रकारिता सम्बंधी प्रायोगिक कार्य = 15 अंक

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र : काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन-II

पाठ्यविषय :

इकाई 1

प्लेटो : काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण-सिद्धांत त्रासदी-विवेचन।

इकाई 2

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा, वर्ड्सवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना।

इकाई 3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, टी.एस.इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य,

इकाई 4

आई.ए.रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई 5

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद, आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न 4x15=60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न 2x5=10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10x1=10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ.नगेन्द्र - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्र शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ.बच्चन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
4. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. समीक्षा के सिद्धांत - सं. निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. अरस्तु के काव्य सिद्धांत-डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास-।।

पाठ्यविषय :

इकाई-1 आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं, द्विवेदी युग प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई-2 हिन्दी स्वच्छदतावादी चेतना का अग्रिम विकास-छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई-3 उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियॉं - प्रगतिवादी, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई-4 हिन्द गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास।

इकाई-5 हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास, दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय। उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय, हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 x15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x5	30 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अन्तरचन्द कपूरचन्द एण्ड कं.,दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां - शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां-डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिक काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां-डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ.बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ.मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

18/8/17

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी-।।

पाठ्यविषय :

खण्ड क : मीडिया लेखन

इकाई-1 जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार-लेखन एवं वाचन। रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन। विज्ञापन लेखन। फीचर तथा रिपोर्ताज,

इकाई-2 दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति। पार्श्व वाचन (वायस ओवर)। पटकथा लेखन। टेली-ड्रामा/डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण। विज्ञापन की भाषा।

खण्ड ख : अनुवादः सिद्धांत एवं व्यवहार

इकाई-3 अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रकिया एवं प्रविधि, हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, वैचारिक-साहित्य का अनुवाद।

इकाई-4 कार्यालयी अनुवाद : कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों के अनुवाद, बैंक-साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।

इकाई-5 साहित्य-अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहारःकविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया प्रविधि अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

अंक विभाजनः

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4x 15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10x 1	10 अंक

□ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यकम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं : डॉ.भोलानाथ तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण-डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ.कृष्ण विहारी मिश्र - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - सिद्धांत एवं प्रयोग-डॉ.दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य-डॉ.राजकिशोर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुवाद विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाश, दिल्ली
7. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण-डॉ.हरिमोहन, लक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

18/8/17

18/8/17

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य-।।

पाठ्यविषय :

प्रथम खण्ड

इकाई-1 इस खण्ड के अन्तर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें हिन्दीतर भाषा-साहित्य में बँगला भाषा को हिन्दी के साथ तुलनात्मक अध्ययन के लिए निर्धारित किया गया है।

द्वितीय खण्ड

इकाई-2 अध्ययन के लिए निर्धारित उपन्यास से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
अग्निगर्भ (बंगला - महाश्वेता देवी)।

इकाई-3 अध्ययन के लिए निर्धारित कविता संग्रह से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
बीच का रास्ता नहीं होता (पंजाबी - पाश)

इकाई-4 अध्ययन के लिए निर्धारित नाटक से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
घासीराम कोतवाल (मराठी - विजय तेन्दुलकर)

इकाई-5 भारतीय साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4x 15	60 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x5	30 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10x 1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे।

प्रमुख संदर्भ ग्रंथ :

1. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य - राजमल बोरा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - राजमल बोरा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. उर्दू साहित्य की परम्परा - जानकी प्रसाद शर्मा - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-प्रो.एहतेशाम हुसैन - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उर्दू साहित्य का देवनागरी में लिपिकरण-वागीश शुक्ल-वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय साहित्य-डॉ.रामविलास शर्मा - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रथमपत्र : भक्तिकाल-।।

पाठ्यविषय :

भक्तिकाल की समय सीमा, काल विभाजन, नामकरण, निर्गुण, सगुण, काव्यधाराएँ, ज्ञानमार्गी, प्रेममार्गी (सूफी), कृष्णभक्ति एवं रामभक्ति शाखाएँ, भक्तों की परम्परा, मध्यकालीन काव्यधाराओं की सामान्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का व्यक्तित्व एवं साहित्यिक, सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान। साहित्यिक धाराओं का वैशिष्ट्य। योगमार्ग और संत-भक्त कवि, भक्तितर साहित्य की प्रवृत्तियाँ। विशिष्ट साहित्यकार तथा उनकी उपलब्धियाँ। भक्तिकीन गद्य। व्याख्या एवं आलोचना हेतु निम्नलिखित में से किन्हीं तीन कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

इकाई 1

सूरदास : संक्षिप्त सूरसागर (कोई 25 पद)

इकाई 2

तुलसीदास : विनयपत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर (50 छंद) 4,19,21,24,30,42,45,72,73, 78,79,80,84,85,86,87,88,89,90,91,93,95,96,99,101,102,103,104,105,111,112, 114,115,123,124,154,162,169,172,174,198,201,204,214,224,232,233,234,237,245

इकाई 3

मीराँबाई : मीराँबाई की पदावली, संपा. परशुराम चतुर्वेदी (पद सं.1,3,6,14,17,19, 20,23,25,36,41,43,45,49,53,54,63,86,89,102,111,122,126)

इकाई 4

समीक्षात्मक अध्ययन : भक्तिकालीन काव्य-प्रवृत्तियाँ

इकाई 5

द्रुतपाठ : निम्नलिखित कवियों में से तीन का अध्ययन अपेक्षित है-
कुतुबन, मंझन, कुम्भनदास, परमानन्ददास, रहीम

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

18/8/17

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रथमपत्र : छायावाद-II

पाठ्यविषय :

निम्नलिखित कवियों से सम्बन्धित व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे

इकाई 1

महादेवी : यामा (10 गीत) इस एक बूँद आँसू में, अलि कैसे उनको पाऊँ, जिसको अनुराग सा, धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, विरह का जलजात जीवन, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी, रागिनी भी, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, शून्य मंदिर में बनूँगी आज मैं प्रतिमा तुम्हारी, मैं नीरभरी दुख की बदली, चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना.

इकाई 2

माखनलाल चतुर्वेदी : आधुनिक कवि (10 गीत) 1,4,8,20,24,35,37,68,69,76

इकाई 3

रामकुमार वर्मा : आधुनिक कवि (10 गीत) मौन करुणा, आत्मसमर्पण, मैं इस जीवन में आया हूँ, मैं जीवन में जाग गया, मैं सुखी और यह विश्व विकल, सभी दिशाएँ उन से छूकर, नश्वर स्वर से कैसे गाऊँ, इस सीमित संसार बीच, तरुवर के ओ पीले पात, कवि मेरा सुख-सा जीवन

इकाई 4

समीक्षात्मक अध्ययन :

इकाई 5

- द्रुतपाठ : निम्नलिखित 05 कवियों का अध्ययन प्रस्तावित है जिनमें से किन्हीं 02 पर लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे-उदयशंकर भट्ट, डॉ.नगेन्द्र, जानकीवल्लभ शास्त्री, विद्यावती कोकिल, सुमित्राकुमारी सिन्हा।

अंक विभाजन :

3 व्याख्याएँ	3 x10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 x15	30 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न	2 x 5	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न	10 x1	10 अंक

- वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से और लघूत्तरी प्रश्न मात्र द्रुत पाठ से पूछे जायेंगे।

प्रमुख सन्दर्भ ग्रंथ :

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
वैकल्पिक प्रश्नपत्र : पत्रकारिता प्रशिक्षण

पत्रकारिता आज जीवन-समाज की धड़कन बन गई है। जिसमें विश्व में स्नायु-तन्तुओं के समान काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्यिकता के साथ-साथ सृजनात्मकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व, नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्यविषय :

इकाई 1

पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन-सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि

इकाई 2

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता

इकाई 3

प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा। पत्रकारिता का प्रबन्धन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था

इकाई 4

भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा। लोक-सम्पर्क तथा विज्ञापन

इकाई 5

प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी। प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न 3x15=45 अंक
2 लघूत्तरी प्रश्न 2x5=10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न 10x1=10 अंक
पत्रकारिता सम्बंधी प्रायोगिक कार्य = 15 अंक

प्रमुख संदर्भ ग्रन्थ :

1.8.8.17

18/08/17

18/8/17

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर

लघु शोध प्रबन्ध

हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं एवं समसामयिक विषयों के अन्तर्गत छात्र द्वारा विषय का चयन किया जायेगा। लघु शोध प्रबन्ध 200 अंक एवं (4+4) 8 क्रेडिट का होगा, जिसमें 100 अंक एवं 4 क्रेडिट शोध प्रबन्ध जमा करने के लिये तथा 100 अंक एवं 4 क्रेडिट मौखिकी परीक्षा के लिये होगा। शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी वाह्य परीक्षा होगी, मौखिकी परीक्षा शोध प्रबन्ध पर आधारित होगी।